भारत सरकार
संचार मंत्रालय
डाक विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 3681

उत्तर देने की तारीख 11 दिसम्बर, 2019

स्पर्श योजना

3681. श्री राजा अमेश्वर नाईक :
श्री विनोद कुमार सोनकर :
डॉ. सुकान्त मजूमदार :
श्री भोला सिंह :
श्रीमती संगीता कुमारी सिंह देव :

क्या संचार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार विद्यार्थियों के लिए रुचि के रूप में डाक टिकट संग्रह में अभिरुचि एवं अनुसंधान को बढ़ावा देने हेतु दीन दयाल छात्रवृत्ति (स्पर्श) योजना कार्यान्वित कर रही है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या उक्त योजना के अंतर्गत डाक-टिकट संग्रह प्रश्नोत्तरी एवं डाक-टिकट संग्रह परियोजना के आधार पर छात्रवृत्ति प्रदान की जाएगी तथा यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) उक्त योजना की शुरुआत से इसके कार्यान्वयन की स्थिति क्या है तथा सरकार द्वारा अब तक राज्य/संघ राज्यक्षेत्र-वार कितनी निधि स्वीकृत एवं खर्च की गई है; और

(ङ) देश में डाक-टिकट संग्रह को बढ़ावा देने हेतु सरकार ने क्या कदम उठाए हैं/उठा रही है?

उत्तर

संचार, मानव संसाधन विकास तथा इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री
(श्री संजय धोत्रे)

(क) जी, हां।

(ख) डाक विभाग ने 3 नवंबर, 2017 को दीनदयाल स्पर्श योजना (शौक के तौर पर डाक-टिकटों के प्रति अभिरुचि जागृत करने तथा इस क्षेत्र में शोध के प्रचार-प्रसार हेतु छात्रवृत्ति) की शुरुआत की। इस स्कीम का मुख्य उद्देश्य बच्चों को कम उम्र से ही फिलैटली के प्रति आकर्षित करना है। सभी 23 डाक सर्कलों द्वारा कक्षा VI, VII, VIII और IX के 10-10 छात्रों को छात्रवृत्ति (अधिकतम 40) प्रदान की जाती है। इस प्रकार, इस योजना के अंतर्गत देशभर में 920 छात्रों को छात्रवृत्तियां प्रदान की जाती हैं। इस छात्रवृत्ति के तहत दी जाने वाली राशि 6000/- रु. प्रति वर्ष है।

(ग) जी, हां। इसके लिए दो स्तरीय चयन प्रक्रिया अपनाई जाती है। प्रथम स्तर पर लिखित परीक्षा आयोजित की जाती है, जोकि स्क्रीनिंग परीक्षण है। प्रथम स्तर पर चयनित छात्रों को द्वितीय स्तर पर चयन हेतु एक फिलैटली प्रोजेक्ट प्रस्तुत करना होता है। इस प्रयोजन से सर्कलों द्वारा चयनित उम्मीदवारों को विषयों की सूची तथा प्रोजेक्ट हेतु मुख्य दिशा-निर्देशों की जानकारी दी जाती है। इस फिलैटली प्रोजेक्ट में प्राप्त किए गए अंकों के आधार पर अंतिम चयन किया जाता है। प्रोजेक्ट का मूल्यांकन सर्कल स्तर पर गठित समिति द्वारा किया जाता है और प्रत्येक सर्कल द्वारा छात्रवृत्ति हेतु कुल 40 छात्रों (कक्षा VI, VII, VIII और IX के 10-10 छात्र) का चयन किया जाता है।

(घ) वर्ष 2017-18 और 2018-19 में स्पर्श योजना सफलतापूर्वक कार्यान्वित की गई और वर्ष 2019-20 के लिए यह योजना प्रगति पर है। इस योजना के पहले दो वर्षों में चयनित छात्रों की संख्या का ब्यौरा अनुबंध-I के रूप में संलग्न है। वर्ष के दौरान छात्रवृत्तियां देने हेतु डाक सर्कलों द्वारा 55.20 लाख रु. की निधि प्रयोग में लाई जानी निर्धारित है। वर्ष 2017-18 और 2018-19 के लिए दीनदयाल स्पर्श योजना के तहत डाक सर्कलों द्वारा प्रयोग में लाई गई वास्तविक निधियों का ब्यौरा अनुबंध-I में संलग्न है।

(ड.) फिलैटली के प्रचार-प्रसार हेतु डाक विभाग द्वारा अनेक पहलें की गई हैं। इनका विवरण निम्नानुसार है :-

i. **दीनदयाल स्पर्श छात्रवृत्ति योजना की शुरुआत** - उपरोक्त भाग (क) से (घ) में प्रदान किए गए विवरणानुसार।

ii. **देशव्यापी वार्षिक पत्र-लेखन प्रतियोगिता "ढाई आखर" की शुरुआत** - पत्र लेखन को प्रोत्साहन तथा संवर्द्धन प्रदान करने के उद्देश्य से वर्ष 2017-18 में एक देशव्यापी पत्र लेखन प्रतियोगिता (ढाई आखर) की शुरुआत की गई। इसके अंतर्गत राष्ट्रीय स्तर पर 12 तथा सर्कल स्तर पर 276 पुरस्कार दिए जाते हैं। इस वर्ष की ढाई आखर पत्र-लेखन प्रतियोगिता का विषय "प्रिय बापू, आप अमर हैं" निर्धारित किया गया है। फिलहाल यह प्रतियोगिता जारी है।

iii. **फिलैटली सेमिनारों का आयोजन** - देशभर के 23 डाक सर्कलों द्वारा फिलैटली को प्रोत्साहन देने तथा इसके प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से वर्षभर फिलैटली सेमिनार आयोजित किए जाते हैं। इन सेमिनारों में विशेष रूप से इस बात पर ध्यान केंद्रित किया जाता है कि स्कूली बच्चे इनमें शामिल हों।

iv. **फिलैटली प्रदर्शनियों का आयोजन** - फिलैटली के प्रचार-प्रसार हेतु डाक सर्कलों द्वारा फिलैटली प्रदर्शनियों का आयोजन किया जाता है। ये प्रदर्शनियां फिलैटलीविदों को अपने डाक-टिकट संग्रह को प्रदर्शित करने का मंच प्रदान करती हैं और साथ ही नए लोगों को फिलैटली के प्रति आकर्षित करने में भी सहायक सिद्ध होती हैं।

v. **स्कूली स्तर पर फिलैटली क्लब खोलना** - बच्चों को शुरुआत से ही फिलैटली के प्रति रुचि जागृत करने के उद्देश्य से स्कूलों में फिलैटली क्लब खोले जाने पर विशेष बल दिया जा रहा है।

vi. **डाक-टिकट डिजाइन हेतु जनसामान्य से प्रविष्टियां आमंत्रित करना** - डाक टिकटों के बारे में लोगों को जागरूक बनाने और उन्हें इनसे जोड़ने के उद्देश्य से डाक विभाग द्वारा समय-समय पर 'लोकोन्मुखी विषयों' पर डाक-टिकट डिजाइन प्रतियोगिताएं आयोजित की जा रही हैं।

(अनुबंध-I)

क्र.सं.	डाक सर्कल	राज्य/संघ राज्यक्षेत्र	2017-18			2018-19		
			चयनित छात्रों की संख्या	संस्वीकृत निधि (हजार रु. में)	व्यय की गई निधि (हजार रु. में)	चयनित छात्रों की संख्या	संस्वीकृत निधि (हजार रु. में)	व्यय की गई निधि (हजार रु. में)
1.	असम		16	240	96	40	240	240
2.	आंध्र प्रदेश		40	240	240	40	240	240
3.	बिहार		40	240	240	40	240	240
4.	छत्तीसगढ़		40	240	240	40	240	240
5.	दिल्ली	(संघ राज्यक्षेत्र)	40	240	240	40	240	240
6.	गुजरात	गुजरात	40	240	240	40	240	240
7.		दमन एवं दीव (संघ राज्यक्षेत्र)	0		0	0		0
8.		दादरा एवं नगर हवेली (संघ राज्यक्षेत्र)	0		0	0		0
9.	हरियाणा		40	240	240	40	240	240
10.	हिमाचल प्रदेश		40	240	240	40	240	240
11.	जम्मू एवं कश्मीर		0 (*)	240	0	40	240	240
12.	झारखण्ड		40	240	240	40	240	240
13.	कर्नाटक		40	240	240	40	240	240
14.	केरल	केरल	40	240	240	41 (**)	240	246
15.		लक्षद्वीप (संघ राज्यक्षेत्र)	0		0	0		0
16.	मध्य प्रदेश		40	240	240	40	240	240
17.	महाराष्ट्र	महाराष्ट्र	37	240	222	40	240	240
18.		गोवा	03		18	0		0

19.	पूर्वोत्तर	अरुणाचल प्रदेश	01	240	6	0	240	0
20.		मणिपुर	13		78	26		156
21.		मेघालय	03		18	04		24
22.		मिजोरम	0		0	03		18
23.		नगालैंड	07		42	0		0
24.		त्रिपुरा	05		30	07		42
25.	ओडिशा		40	240	240	40	240	240
26.	पंजाब	पंजाब राज्य	35	240	210	29	240	174
27.		चंडीगढ़ (संघ राज्यक्षेत्र)	05		30	11		66
28.	राजस्थान		40	240	240	40	240	240
29.	तमिलनाडु	तमिलनाडु	38	240	228	34	240	204
30.		पुदुच्चेरी (संघ राज्यक्षेत्र)	02		12	06		36
31.	तेलंगाना		40	240	240	40	240	240
32.	उत्तर प्रदेश		40	240	240	35	240	210
33.	उत्तराखण्ड		36	240	216	40	240	240
34.	पश्चिम बंगाल	पश्चिम बंगाल	40	240	240	37	240	222
35.		अंडमान एवं निकोबार (संघ राज्यक्षेत्र)	0		0	03		18
36.		सिक्किम	0		0	0		0
	कुल		**841**	**5520**	**5046**	**916**	**5520**	**5496**

(*) वर्ष 2017-18 के दौरान जम्मू एवं कश्मीर में योजना कार्यान्वित नहीं हो सकी, क्योंकि जम्मू एवं कश्मीर सर्कल में शीत ऋतु होने के कारण अधिकतर स्कूल बंद थे।

(**) अंतिम चयन के समय कक्षा VIII के दो छात्रों को समान अंक प्राप्त हुए थे और दोनों का चयन किया गया। इस प्रकार केरल में कक्षा VI, VII और IX के 10-10 छात्रों को और कक्षा VIII के 11 छात्रों का चयन किया गया।

*****